*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

स्वर्णिमा

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

5

YBPL

स्वर्णिमा कक्षा-5

अध्याय-1

हम भारत की बेटियाँ हैं

अभ्यास: (पेज 6)

1. (क) प्रस्तुत कविता में भारत की बेटियाँ अपने पराक्रम तथा शौर्य के बारे में बता रही हैं।
   (ख) भारतीय नारियाँ इतिहास उठाकर भारत की अनेक वीरांगनाओं की शौर्य गाथा का इतिहास देखने के लिए कह रही हैं।
   (ग) भारतीय नारियाँ (बेटियाँ) दुख-दर्द को सहन करेंगी तथा दुख-दर्द को सहते-सहते दुश्मन को हरा देंगी।
   (घ) जब तक वे देश का उद्धार नहीं कर देतीं, तब तक भारतीय नारियाँ चैन नहीं लेंगी।

लिखित–

2. (क) भारतीय नारियाँ मरने से नहीं डरतीं।
   (ख) जो भी हमारे देश की तरफ़ बुरी नज़र डालेगा उन्हें मार दिया जाएगा क्योंकि हमें अपने देश की रक्षा करनी है।
   (ग) भारत की नारियाँ हमारे देश का उद्धार (कल्याण) करना चाहती हैं, इसे दुश्मनों से बचाना चाहती हैं।
   (घ) रानीलक्ष्मीबाई, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानि, भीकाजीकामा
3. (क) भारत की बेटियों की ✓ (ख) ये दोनों ✓ (ग) तलवार ✓
   (घ) अज्ञात ✓
4. (क) बेटियाँ ✓ (ख) दुश्मन ✓ (ग) पाँवों ✓
(घ) धमनियों ✓ (ङ)बाँहों ✓

भाज़ा-बोध–

1. (क) सम्राट – सम्राज्ञी (ख) विद्वान – विदुज़ी (ग) वीरांगना – वीर
   (घ) कवि – कवयित्री
   (ङ) मालिन – माली
2. (क) और (ख) लेकिन (ग) कि, नहीं तो
   (घ) इसलिए (ङ) क्योंकि
3. (क) कमर कसना (तैयारी करना)– मैंने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए कमर कस ली है।
   (ख) दम न लेना (बिना रुके काम करते रहना)– सीमा पर सैनिक दम न लेते हुए दिन-रात चौंकसी करते हैं।

करके सीखिए–

(उदाहरण कविता)

* बच्चे स्वयं कोई कविता (देशभक्ति से संबंधित) सोचकर लिखेंगे।

जय बोलो प्यारे हिंदुस्तान की
एक बार फिर से जय बोलो,
प्यारे हिंदुस्तान की।।
जिसकी मिट्टी सोना देती,
धरती है भगवान की।
दया-धर्म की शिक्षा मिलती,
जन्मभूमि इंसान की।
गाँव-गाँव में नदियाँ बहतीं,
ज्वाला जलती मान की।
गीतों की फुलझड़ियाँ हँसतीं,

बढ़ी ष्टान ईमान की।
एक बार फिर से जय बोलो,
प्यारे हिंदुस्तान की।।
जहाँ चमन है बाग-बगीचा,
बियाबान खलियान भी।
ऊँचा पर्वत चौड़ी खायी,
जल-थल है गतिवान भी।
एक बार फिर से जय बोलो,
प्यारे हिंदुस्तान की।।

अध्याय-2

मेरी गाय

अभ्यासः (पेज 12)

1. (क) गोनू झा बिहार के मिथिला नरेश के दरबार में एक विदूज़क थे।
   (ख) गोनू झा कभी अपनी पत्नी से कहते कि जल्दी ही राजा उन्हें उपहार में गाय देंगे, कभी कहते तुम ब्राह्मणी हो गाय पालना तुम्हारा काम नहीं, तो कभी कहते कि तुम्हें गाय पालने का अनुभव नहीं। इस प्रकार वो हर बार पत्नी की बात को टाल देते थे।
   (ग) गोनू झा ने बताया कि उनकी गाय का रंग भूरा है, उन्होंने गाय को तीन स्वर्ण मुद्राएँ देकर खरीदा है, स्वभाव से गाय बहुत सीधी है, रोज़ पाँच सेर दूध देगी तथा यह केवल चार दाँतों वाली पहिलौठी गाय है।

लिखित–

2. (क) गोनू झा ने गाँववालों को अपनी गाय की विशेज़ताएँ बताने के लिए इकट्ठा किया था।
   (ख) गोनू झा की पत्नी ने अपनी जान देने की धमकी दी थी इसलिए वे गाय लेकर आए।
   (ग) उन्हें चिंता सता रही थी कि सैकड़ों बार गाय के बारे में गाँववालों के एक जैसे सवालों के जवाब देने पड़ेंगे।
   (घ) उन्होंने सोचा कि सभी गाँववालों को एक साथ इकट्ठा करके गाय के बारे में सब कुछ बता दिया जाए।
3. (क) कथावाचन ✓ (ख) सोनपुर के मेले से ✓ (ग) चोर-चोर ✓
4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗
   (घ) ✗ (ङ) ✗
5. (क) गोनू झा ने गरदन घुमाकर – गाँववालों पर नज़र डाली।
   (ख) गाँववाले ठगे-से खड़े – गोनू झा की बातें सुन रहे थे।
   (ग) तभी गोनू झा के मस्तिज़्क – में एक विचार आया।
   (घ) गोनू झा ने गाय की रस्सी थामी – और तेज़ी से गाँव की तरफ़ चल दिए।
   (ङ) गोनू झा के किस्से बड़े चाव – से सुने-सुनाए जाते हैं।

भाज़ा-बोध–

1. (क) मूल्य (ख) शिज़्ट (ग) आवश्यक
   (घ) कृपा
2. (क) नरेश – राजा, नृप, भूप (ख) दिन – दिवस, वार (ग) रात – निशा, रजनी
   (घ) गाय – गौरी, गौ, धेनु (ङ) सोना – स्वर्ण, कनक
3. (क) कहाँ – तुम कहाँ जा रहे हो?
   कहा – मेरे पिताजी ने कहा है कि कभी झूठ मत बोलना।
   (ख) बाधा – वह मेरे काम में बाधा डाल रहा है।
   बाँधा – मेरे भाई ने अपनी कलाई पर काला धागा बाँधा है।

(ग) मात्र – यहाँ मात्र 3 रुपये में भरपेट खाना मिलता है।

मातृ – आपकी मातृ-भक्ति देखकर हम सभी बहुत प्रसन्न हैं।

(घ) वार – साहसी व्यक्ति निहत्थे पर वार नहीं करते।

बार – इस बार मैं परीक्षा में प्रथम स्थान अवश्य प्राप्त करूँगा।

करके सीखिए–

गोनू-झा एक विदूज़क थे। उनका पेशा कथावाचन करना था। गोनू झा एक बुद्धिमान और हँसमुख व्यक्ति थे। वे अपनी समझदारी के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। प्रस्तुत पाठ में भी उन्होंने अपनी सूझ-बूझ से सभी गाँववालों को एक जगह इकट्ठा कर अपने द्वारा खरीदी गई गाय के बारे में बताया। गोनू झा बहुत विन्रम भी थे इसलिए गाँववालों को इकट्ठा करने के बाद उन्होंने प्रेमपूर्वक सबके सामने हाथ जोड़कर अपनी बात को रखा तथा उनसे क्षमा भी माँगी। गोनू झा अपने परिवार से भी बहुत प्रेम करते थे इसलिए पत्नी द्वारा बार-बार गाय लाने का आग्रह वह अधिक दिनों तक नहीं टाल पाए तथा गाय लाकर उन्होंने अपनी पत्नी की बात का मान रखा तथा उन्हें खुश किया।

अध्याय-3

दो गौरैयाँ

अभ्यास: (पेज 20)

1. (क) लेखक के पिता को घर सराय इसलिए लगता था क्योंकि उनके घर के आँगन में लगे आम के पेड़ पर बहुत से पक्षियों के घोंसले थे तथा वे सारा दिन अपनी आवाज़ों में चहचहाते रहते थे। कुछ पशु जैसे चूहे, बिल्लियाँ, चींटियाँ और छिपकलियाँ भी जहाँ-तहाँ दिख जाती थीं।

   (ख) लेखक के पिता ने पहले तो 'श-श' की आवाज़ लगाकर और ताली बजाकर गौरैयों को भगाने का प्रयास किया। इसके बाद वे लाठी लेकर उनको भगाने का प्रयास करने लगे।

   (ग) लेखक के पिता ने जब 'चीं-चीं', 'चीं-चीं' की आवाज़ सुनी और गौरैयों के बच्चों को देखा तो उन्होंने अपने मन से उन्हें भगाने का विचार त्याग दिया।

लिखित–

2. (क) लेखक की माँ के व्यंग्य को सुनकर तथा गौरैयों को भगाने पर भी वे किसी न किसी तरह अंदर आ जाती थीं। यह देखकर लेखक के पिता की कोशिशें तेज़ होती गईं।

   (ख) जब माँ ने देखा कि गौरैयाँ बार-बार घर के अंदर आ रही हैं, तो उन्हें आभास हो गया था कि इन्होंने ज़रूर यहाँ अंडे दे दिए हैं। इसलिए वे उन्हें भगाने से मना करने लगीं।

   (ग) यदि घोंसले में गौरैयाँ के बच्चे न होते तो लेखक के पिता घोंसले को तोड़कर घर से बाहर फेंक देते।

   (घ) अंत में जब गौरैयाँ अपने बच्चों से मिलीं तथा उनकी चोंच में चुग्गा डालने लगी तो उनके इस प्यार को देखकर पिताजी मुसकराने लगे।

3. (क) आम का ✓ (ख) गौरैयों ने ✓ (ग) चिड़ियों के बच्चे ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
   (घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) पिताजी ने समझा, माँ – उनका मज़ाक उड़ा रही हैं।

   (ख) पिताजी को और भी – ज़्यादा गुस्सा आ गया।

   (ग) उन्होंने लाठी से पंखे – के गोले को ठकोरा।

   (घ) उन्होंने दरवाज़ों के नीचे – कपड़े लगा दिए।

   (ङ) आखिर कोई कहाँ तक – लाठी चला सकता है?

भाज़ा बोध–

1. (क) भूतकाल (ख) वर्तमानकाल (ग) भूतकाल
   (घ) भविज़्यत्काल (ङ) वर्तमानकाल

2. (क) चुपचाप (ख) एक (ग) खिलखिलाकर
   (घ) तुरंत (ङ) ज़ोर की

करके सीखिए–

1. मैं नन्ही गौरैया पहले बहुत डरती थी क्योंकि घर के मालिक मेरा घोसला तोड़ना चाहते थे। परंतु जब उन्होंने मेरे बच्चे देखे तो उनके विचार बदल गए तथा उन्होंने मेरा घोंसला नहीं तोड़ा न ही मुझे भगाया। उनकी दयालुता देखकर मेरा मन बहुत खुश हुआ।

2. हम अपने घरों से आसपास खूब सारे पेड़-पौधे लगा सकते हैं, अपने घरों के अंदर बर्ड हाऊस रख सकते हैं, जहाँ चिड़ियाँ अंडे दें। हम पतंगें कम उड़ाएँ क्योंकि पक्षी पतंगों की डोरी से कटकर मर जाते हैं। घर की छतों पर गौरैयों के खाने-पीने के लिए चुग्गा व पानी रख सकते हैं ताकि हम हम इन्हें मरने से बचा पाएँ।

   नारा– आओ, मिलकर कसम ये खाएँ,
   मासूम गौरैया को बचाएँ।
   इन्हें इनके प्राकृतिक परवेश से मिलवाएँ,
   चलो मिलकर इस ओर कदम बढ़ाएँ।।

3. अगर मेरे पंख होते – अनुच्छेद

   यदि मेरे पंख होते तो मैं हर दिन नए-नए, सुंदर और विशाल वनों की सैर करती। मुझे किसी का कोई डर नहीं होता। मैं आसमान से अपनी प्यारी दुनिया को देखती तथा बिना टिकट ही देश-विदेश की यात्रा कर आती। मुझे खाने-पीने की कोई चिंता न होती। मैं लंबे-लंबे पेड़ों पर बैठकर अन्य जीवों को देखती। मनचाहे फलों का स्वाद लेती। मैं सभी के आकर्ज़ण का केन्द्र भी होती। पर हाँ, अगर कोई शिकारी या कोई ष्टारारती व्यक्ति मुझे पकड़कर पिंजरे में कैद कर लेता या मेरे पंखों को कोई नुकसान पहुँचाता तो मैं खूब रोती। मैं अपने पंखों की मदद से अन्य पक्षियों के साथ होड़ लगाती और देखती कि कौन अधिक ऊँचा उड़ सकता है।

* विद्यार्थियों के विचार भिन्न हो सकते हैं।

अध्याय-4

स्वास्थ्य और व्यायाम

अभ्यासः (पेज 26)

1. (क) टहलने और व्यायाम करने से ष्टारीर स्वस्थ रहता है।
   (ख) स्वस्थ ष्टारीर में ही स्वस्थ मन तथा आत्मा का निवास होता है।
   (ग) व्यायाम का ष्टाब्दिक अर्थ है– 'कसरत'। इसमें सवेरे जल्दी उठकर घूमने जाना, बाहरी खेल खेलना और योग भी ष्टामिल है।

लिखित–

2. (क) व्यायाम करने से हमारा रक्त संचार बढ़ता है, प्राण ष्टाक्ति बढ़ती है तथा ष्टारीर ह्रज़्ट-पुज़्ट रहता है।
   (ख) खेलने-कूदने से हमारा ष्टारीर ह्रज़्ट-पुज़्ट रहता है और हमारा मनोरंजन भी होता है।
   (ग) सभी व्यायाम प्रत्येक व्यक्ति के लिए तथा प्रत्येक अवस्था में लाभदायक नहीं हो सकते इसलिए हमें समय, आयु एवं ष्टारीरिक ष्टाक्ति के अनुसार ही उचित व्यायाम का चुनाव करना चाहिए।
   (घ) उचित व्यायाम चुनना, थकान होने पर व्यायाम करना बंद कर देना चाहिए, व्यायाम करते समय नाक से साँस लेनी चाहिए, खाना खाने के एकदम बाद में व्यायाम नहीं करना चाहिए और व्यायाम के तुरंत बाद नहाना नहीं चाहिए व पौज़्टिक आहार लेना चाहिए।

3. (क) व्यायाम करने ✓ (ख) कसरत ✓ (ग) बच्चों ✓
   (घ) व्यायाम ✓ (ङ) नाक ✓

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓
   (घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) उपेक्षा – अनदेखा (ख) व्यतीत होना – बीतना (ग) स्फूर्ति – फूर्ती
   (घ) व्यक्तिगत – निजी (ङ) बौद्धिक – बुद्धि संबंधी

भाज़ा-बोध–

1. (क) बूढ़ा– आदमी / राजा / ष्टोर / व्यक्ति / अभिनेता
   (ख) स्वस्थ– ष्टारीर / बच्चा / व्यक्ति
   (ग) उपयुक्त– व्यायाम / प्रश्न / उत्तर
   (घ) बीमार– बच्चा / ष्टारीर / आदमी / लड़की
   (ङ) बौद्धिक– बुद्धि / ज्ञान / विचार
2. (क) स्वस्थ – स्वस्थ ष्टारीर में ही, स्वस्थ मन का निवास होता है।
   (ख) प्रमुख – प्रदूज़ण का प्रमुख कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है।
   (ग) पौज़्टिक – हमें पौज़्टिक आहार ही लेना चाहिए।
   (घ) प्राण ष्टाक्ति – 'ऑक्सीजन' हमारे लिए प्राण-शक्ति है।
   (ङ) स्फूर्ति – व्यायाम करने से ष्टारीर में स्फूर्ति आती है।

* बच्चों के वाक्य ऊपर लिखे वाक्यों से भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

योग हम सभी के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह ष्टारीर तथा मस्तिज़्क के संबंधों में संतुलन बनाने में हमारी बहुत सहायता करता है। इसके नियमित अभ्यास के द्वारा हम ष्टारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। योग में प्राणायाम, कपाल-भाति जैसे योगासन हैं जिनके नियमित अभ्यास से हम उच्च व निम्न रक्तदाब से छुटकारा पा सकते हैं।

हर साल 21 जून को अंतरराज़्ट्रीय योग-दिवस मनाया जाता है। विभिन्न योगासनों के अभ्यास के द्वारा हम कई बीमारियाँ ठीक कर सकते हैं जैसे– अवसाद, चिंता, मोटापा, सिरदर्द आदि। ष्टारीर में रक्त प्रवाह बढ़ाने का योग से अच्छा कोई विकल्प नहीं है। अतः योग करें – स्वस्थ रहें।

अध्याय-5

बालक चंद्रगुप्त

अभ्यासः (पेज 32)

1. (क) बालक राजा का अभिनय कर रहा था।
   (ख) ब्राह्मण ने बालक से गाय माँगी थी।
   (ग) बालक के पिता मौर्य सेनापति थे।

लिखित–

2. (क) बालक राजा का अभिनय कर रहा था।
   (ख) बालक बहुत होनहार था। उसकी मानसिक उन्नति के लिए ब्राह्मण ने उसे राजकुल भेजने का आग्रह किया।
   (ग) मोम का सिंह किसी अन्य राजा ने राजा नंद की राजसभा की बुद्धि का अनुमान करने के लिए भेजा था।
   (घ) बालक ने लोहे की ष्टालाकाओं को गरम करके मोम के सिंह को पिघलाकर पिंजरा खाली कर दिया।
   (ङ) राजा ने प्रसन्न होकर बालक को तक्षशिला विश्वविद्यालय पढ़ने के लिए भेज दिया।
3. (क) पाटलिपुत्र में ✓ (ख) महापद्मनंद ✓ (ग) राजक्रीड़ा ✓
   (घ) राजसभा ✓ (ङ) चंद्रगुप्त ✓
4. (क) चाणक्य ने बालक से कहा। (ख) बालक ने चाणक्य से कहा।
   (ग) राजा नंद ने बालक से कहा। (घ) राजा नंद ने बालक से कहा।
5. (क) एक बालक उसी घर – के सामने खेल रहा था।
   (ख) उसकी राजसभा बड़े-बड़े – चापलूस मूर्खों से भरी रहती थी।
   (ग) ब्राह्मण बालक को आशीर्वाद – देकर, वे चले गए।

(घ) किसका साहस है, – जो मेरे आदेश को न माने।

(ङ) कई लड़के उसकी प्रजा बने – थे और वह था राजा।

भाज़ा-बोध–

1. (क) नंद, मगध, अत्याचार (भाववाचक संज्ञा) (ख) बालक
   (ग) बालक, सिंह (घ) बालक, निर्भीकता (भाववाचक संज्ञा)
   (ङ) चंद्रगुप्त, सिकंदर
2. (क) अग्नि– आग, ज्वाला, अनल (ख) गृह– घर, निकेतन, निवास, आलय
   (ग) राजा– नृप, भूप, नरेश (घ) माँ– माता, जननी, मैया
   (ङ) जनक– पिता, तात
3. (क) गाय घास चर रही थी। (ख) तब तक उसकी बहनें वहाँ आ गईं।
   (ग) देशद्रोहियों पर राजकोप है। (घ) ब्राह्मणों ने बालक को राजकुल भेजने का आग्रह किया।
   (ङ) मूर्ख सभासद को कोई उपाय न सूझा।

करके सीखिए–

चंद्रगुप्त–
1. चंद्रगुप्त भारत के महान सम्राट थे।
2. चंद्रगुप्त ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी।
3. वे बहुत बुद्धिमान थे तथा उनमें कुशल शासक बनने के सारे गुण थे।
4. इनके गुरु का नाम चाणक्य था। चाणक्य ने इन्हें राजनीति व सामाजिक शिक्षा दी थी।
5. चंद्रगुप्त ने भारत से विदेशी शासन का अंत करके भारत को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाया था।

चाणक्य–
1. चाणक्य चंद्रगुप्त मौर्य के महामंत्री तथा गुरु थे।
2. इन्हें कौटिल्य व विज्णुगुप्त नाम से भी जाना जाता है।
3. ये कूटनीति, अर्थनीति तथा राजनीति के महाविद्वान थे।
4. इन्होंने अपने महाज्ञान का प्रयोग जनकल्याण तथा अखंड भारत के निर्माण जैसे सृजनात्मक कार्यों में किया था।
5. चाणक्य नीति या चाणक्य नीतिशास्त्र चाणक्य द्वारा लिखा गया नीति ग्रंथ है, इसमें जीवन को सुखमय एवं सफल बनाने के लिए उपयोगी सुझाव दिए गए हैं।

अध्याय-6

सरिता

अभ्यासः (पेज 37)

1. (क) यह कविता प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाली लघु (छोटी-छोटी) नदियों से संबंधित है।
   (ख) सरिता का उद्गम स्थान हिमालय है।
   (ग) सरिता के जल से धरती को लाभ प्राप्त होता है तथा इसका पानी पीकर राहगीर भी अपनी थकान मिटाते हैं। इस प्रकार वे भी लाभ प्राप्त करते हैं।
   (घ) प्रस्तुत कविता गोपाल सिंह 'नेपाली' द्वारा रचित है।

लिखित–

2. (क) सरिता का जल हिमालय से आता है।
   (ख) सरिता का जल शीतल (ठंडा), निर्मल (स्वच्छ) और दूध-सा सफ़ेद है।
   (ग) सरिता के जल को पीकर पथिक अपनी प्यास बुझाता है।
   (घ) धरती का अंतस्तल कोमल है और वत्सल से भरा है।
3. ऊँचे शिखरों से उतर-उतर
   गिर-गिर गिरी की चट्टानों पर
   कंकड़-कंकड़ पैदल चलकर,

दिनभर, रजनीभर, जीवनभर,
धोता वसुधा का अंतस्तल।
यह लघु सरिता का बहता-जल।।

4. (क) सरिता ✓ (ख) नदी ✓ (ग) दूध-सा ✓
   (घ) पत्थर ✓
5. (क) हिमगिरि ✓ (ख) पत्थर ✓ (ग) करुणा ✓
   (घ) निर्मल ✓ (ङ) चट्टानों ✓

भाज़ा-बोध–

1. (क) जीवन – मरण (ख) निर्मल – मलिन
   (ग) चंचल – स्थिर, गंभीर (घ) ऊँचे – नीचे
   (ङ) लघु – दीर्घ
2. (क) रजनी – रात, निशा (ख) शिखर – चोटी, अद्रि, कूट
   (ग) तन – ष्टारीर, काया (घ) जननी – माँ, माता
   (ङ) गिरि – पर्वत, पहाड़, नग
3. (क) अविरल– निरंतर – नदी का जल अविरल बहता रहता है।
   (ख) अंतस्तल–हृदय – धरती का अंतस्तल बहुत विशाल है।
   (ग) मृदुजल– कमलवण युक्त जल – पथिक बहुत ही मृदुजल पीकर अपनी प्यास बुझाते हैं।
   (घ) वसुधा- पृथ्वी - युद्ध में वसुधा रक्त से लाल हो गई।
   (ङ) निर्मल– स्वच्छ – नदी का जल बहुत निर्मल है।

करके सीखिए–

जीवन परिचय (गोपाल सिंह 'नेपाली')

सुप्रसिद्ध कवि गोपाल सिंह 'नेपाली' का जन्म 11 अगस्त 1911 को बिहार में हुआ था। वे बचपन से ही कविताएँ लिखने लगे थे। उन्होंने साहित्य, पत्रकारिता और फ़िल्म उद्योग में बहुत योगदान दिया। उन्होंने फ़िल्मों के लिए कई गीत भी लिखे थे। उनका पहला काव्य संग्रह 'उमंग' था। 'पंछी', 'रागिनी', 'पंचमी', 'नवीन' और 'हिमालय की पुकार' उनके अन्य काव्य और गीत संग्रह हैं। 17 अप्रैल 1963 को एक कवि सम्मेलन से लौटते समय बिहार के भागलपुर रेलवे स्टेशन पर अचानक उनका निधन हो गया।

अध्याय-7

सिंदबाद की यात्रा

अभ्यास: (पेज 44)

1. (क) सिंदबाद एक नाविक था। जिसने कई समुद्री यात्राएँ की थीं।
   (ख) सिंदबाद बगदाद में रहता था।
   (ग) वह ज़मीन जो चारों ओर से दूर-दूर तक पानी में घिरी होती है, उसे टापू कहते हैं।
   (घ) सिंदबाद ने व्यापारियों को अपनी आपबीती सुनाई थी।

लिखित–

2. (क) गुबंद जैसी चीज़ विशालकाय पक्षी का अंडा था।
   (ख) टापू का मौसम सुहावना था और चारों तरफ़ फलों के वृक्ष थे।
   (ग) आँखें खुलने पर सिंदबाद ने देखा कि उसके साथी उसे टापू पर अकेला छोड़कर जा चुके हैं।
   (घ) सिंदबाद ने अपनी पगड़ी के छोर से खुद को तथा दूसरे छोर को पक्षी के पंजे में बाँध लिया। सुबह वह पक्षी सिंदबाद को अपने साथ लेकर उड़ गया।
   (ङ) सिंदबाद ने मांस के बड़े-बड़े टुकड़े अपनी पीठ पर बाँध लिए और एक चट्टान पर बैठ गया। कुछ समय बाद एक विशालकाय पक्षी वहाँ आया और वह सिंदबाद को अपनी चोंच में उठाकर एक पहाड़ की चोटी पर ले गया। इस प्रकार सिंदबाद घाटी से बाहर आ गया।

3. (क) धन-संपत्ति ✓ (ख) समुद्री यात्राएँ ✓ (ग) चीज़ ✓
(घ) अजगरों ✓ (ङ) व्यापारियों ✓

4. (क) इमारत का गोल हिस्सा (ख) बहुत बड़ा (ग) नींद
(घ) मुसीबत (ङ) सुबह

भाज़ा-बोध–

1. (क) समुद्र – सागर, जलधि, जलधाम (ख) पहाड़ – पर्वत, नग
(ग) साँप – सर्प, भुजंग, विज़धर (घ) पक्षी – पंछी, खग, विहंग
(ङ) पेड़ – वृक्ष, तरु, पादप

2. (क) बात – बातें (ख) चट्टान – चट्टानें (ग) रास्ता – रास्ते
(घ) पगड़ी – पगड़ियाँ (ङ) चोटी – चोटियाँ

करके सीखिए–

* बच्चे स्वयं किसी साहसी यात्री की कहानी पढ़कर लिखेंगे।

उदाहरण कहानी–

गुलिवर नाम का एक साहसी व्यक्ति इंग्लैंड में रहता था। वे पानी के जहाज़ में बैठकर पूरी दुनिया को देखना चाहता था। उसे लंबी यात्राओं पर जाने का बहुत शौक था। एक बार उसे मौका मिला पर समुद्र में तेज़ तूफ़ान आने के कारण उसका जहाज़ टूट गया। वह तैरकर किनारे तक पहुँच गया और बेहोश हो गया। जब उसे होश आया तो उसने देखा कि बहुत से बौने लोग उसके शरीर पर चढ़े हुए थे। गुलिवर ने इतने छोटे-छोटे लोग कभी नहीं देखे थे। तभी एक बौना सामने आया तथा उसने कहा, ''तुम्हारा लिलीपुट में स्वागत है। हम तुम्हें अपने राजा के पास लेकर जा रहे हैं। भागने की कोशिश की तो हम तुम्हें मार देंगे।'' गुलिवर को हँसी आ गई पर वह उनके साथ चल दिया। राजा ने उसे देखा और कहा, ''अगर तुम जीवित रहना चाहते हो तो मेरी प्रजा की सेवा करो।'' गुलिवर मान गया। एक दिन राजा के महल में आग लग गई। गुलिवर ने फटाफट से आग बुझा दी तथा राजा-रानी की जान बचा ली। राजा ने गुलिवर को बताया कि पड़ोसी देश के राजा ने लिलिपुट पर हमला कर दिया है। हमारी रक्षा करो। गुलिवर ने पड़ोसी राजा के सभी जहाज़ पलट दिए तथा सबकी जान बचा दी। राजा ने गुलिवर से कोई वरदान माँगने के लिए कहा। गुलिवर ने कहा, ''राजा जी आप मेरा जहाज़ ठीक करवा दीजिए ताकि मैं अपनी अधूरी यात्रा पूरी कर सकूँ।'' राजा मान गया। कुछ सालों में गुलिवर का जहाज़ बनकर तैयार हो गया। अंत में गुलिवर ने सभी को अलविदा कहा और आगे की यात्रा के लिए चल दिया।

अध्याय-8

ओलंपिक खेल

(केवल पठन हेतु)

अध्याय-9

माता को पत्र

अभ्यास: (पेज 52)

1. (क) प्रस्तुत पत्र सुभाज़चंद्र बोस जी ने अपनी माता जी को लिखा है।
(ख) यह पत्र सुभाज़चंद्र बोस जी ने राँची से लिखा था।
(ग) सुभाज़चंद्र बोस जी की माँ का नाम प्रभावती था।

लिखित–

2. (क) पहले के आर्य देश की सेवा में अपने प्राण प्रसन्नता से न्योछावर कर देते थे।
(ख) आज के युग में सभी अपने निजी हितों की पूर्ति में लगे हैं इसलिए देश रुदन कर रहा है।
(ग) जब हम केवल अपने खाने व सोने की चिंता करें तथा इंद्रियो के दास बन जाएँ। तब मनुज्य पशु समान हो जाता है।

(घ) सुभाज़ जी ने प्रार्थना की कि वे अपना सारा जीवन दूसरों की सहायता में बिता सकें।

(ङ) उस समय देशवासी अपने स्वार्थ को पूरा करने लगे थे तथा देश के लिए कोई नहीं सोच रहा था। तब हम परतंत्र थे।

3. (क) प्रभावती ✓ (ख) कोलकाता में ✓ (ग) सुभाज़चंद्र बोस ने ✓
(घ) अपनी माँ से ✓ (ङ) नेता जी ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
(घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) हम कब तक अनावश्यक – चीज़ों को लेकर खिलवाड़ करते रहेंगे।
(ख) मुझे काफ़ी समय से कोलकाता – के समाचार नहीं मिले हैं।
(ग) इस स्थिति में पछताने के – सिवा कुछ हाथ न लगेगा।
(घ) कृपया मेरा प्रणाम – स्वीकार करें।
(ङ) माँ! आप जानती हैं, मैं आपको – यह सब क्यों लिख रहा हूँ।

भाज़ा बोध–

1. (क) हित – अहित (ख) योग्य – अयोग्य (ग) सपूत - कपूत
(घ) आवश्यक – अनावश्यक (ङ) प्रसन्नता – अप्रसन्नता

2. (क) प्रार्थनाएँ (ख) परीक्षाएँ (ग) बातें
(घ) संतानें (ङ) चीज़ें

3. (क) सआनंद (ख) अधिकार (ग) सहयोग
(घ) सपूत (ङ) बहुमूल्य

करके सीखिए–

* विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार कोई कविता लिखेंगे।

देश-प्रेम (कविता)

चल मरदाने
चल मरदाने, सीना ताने
हाथ हिलाते, पाँव बढ़ाते
मन मुसकाते, गाते गीत।
एक हमारा देश, हमारा वेश
हमारी कौम, हमारी मंज़िल
हम किससे भयभीत
हम भारत की अमर जवानी
सागर की लहरें लासानी
गंगा-जमुना का निर्मल पानी
हिमगिरि की ऊँची पेशानी।
सबके प्रेरक, रक्षक, मीत
मन मुसकाते, गाते गीत
जग के पथ पर जो रुकेगा
जो न झुकेगा, जो न मुड़ेगा
उसका जीवन उसकी जीत।
चल मरदाने, सीना ताने
हाथ हिलाते, पाँव बढ़ाते,
मन मुसकाते, गाते गीत।
– हरिवंशराय बच्चन

अध्याय-10

कागज़ की आत्मकथा

अभ्यासः (पेज 57)

1. (क) साइलून एक चीनी व्यक्ति था, जिसने सबसे पहले कागज़ बनाने का प्रयास किया था। जिसमें वह सफल भी हुआ था परंतु उसके द्वारा बनाए कागज़ की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी।
   (ख) शुरुआत में कागज़ मोटा और खुरदरा था।
   (ग) कागज़ बनाने के लिए लकड़ी के लट्ठों को काटा और छीला जाता है।

लिखित–

2. (क) कागज़ के आविज़्कार से पहले लोग पेड़ के पत्तों, लकड़ी, छाल, चमड़े, ईंट आदि पर लिखते थे।
   (ख) कागज़ का अविज़्कार साइलून नाम के व्यक्ति ने किया था तथा वह चीन का निवासी था।
   (ग) कागज़ को जिन रेशों से बनाया जाता है, उन्हें सेलुलोज़ कहते हैं।
   (घ) पहले लकड़ी के लट्ठों को काटा व छीला जाता है फिर पानी में मिलाकर आग में पकाया जाता है। लुगदी बन जाने पर उसमें से पानी निकालकर लुगदी को दबाकर कागज़ की परत बनाई जाती है तथा रसायनों के प्रयोग से कागज़ को यह रूप दिया जाता है।
   (ङ) किसी चीज़ का पूरा प्रयोग करने के बाद उसे दोबारा उसी रूप में बदल देना पुनर्निर्माण कहलाता है।
3. (क) दुरुपयोग ✓ (ख) कपड़े ✓ (ग) पेड़ ✓
   (घ) मौसम ✓
4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✓ (ङ) ✓
5. (क) पश्चिमी देशों के लोग – इस विज़य में जागरूक हैं।
   (ख) एक बार वह लकड़ी – काटकर सपाट कर रहा था।
   (ग) कभी-कभी मेरा मन – दुखी भी हो जाता है।
   (घ) ये रेशे सभी पौधों – में पाए जाते हैं।
   (ङ) इस लुगदी को तार की – जाली से छाना जाता है।

भाज़ा-बोध–

1. (क) डिब्बी (ख) थैली (ग) पत्ती
   (घ) उत्तरी (ङ) दक्षिणी
2. (क) असंभव (ख) शुरू / शुरुआत (ग) सरल
   (घ) आम (ङ) असावधानी
3. (क) अस्तित्व – इतना सब कुछ होने के बावजूद गंगा के अस्तित्व पर कोई संकट नहीं आया।
   (ख) विशेज़ – कागज़ बनाने के लिए देवदार व चीड़ के पेड़ की लकड़ी का विशेज़ प्रयोग होता है।
   (ग) उन्नति – हमारा देश उन्नति के पथ पर चल रहा है।
   (घ) गुणवत्ता – शुरुआत में कागज़ की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी।
   (ङ) लुगदी – लुगदी से पानी निकालकर व उसे दबाकर कागज़ की परत तैयार की जाती है।
   * विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

अगर कागज़ न होता तो शायद आज मैं अपने विचार लिखित रूप में न प्रस्तुत कर पाती। हम सुबह-सुबह समाचार-पत्र द्वारा देश-विदेश की खबरें न प्राप्त कर पाते तथा किताबों से भी परिचित न हो पाते। लोगों के पास उनके दस्तावेज लिखित रूप में न होते, जिससे धोखा होने का खतरा हमेशा बना रहता। हम बच्चे सुंदर-सुंदर चित्र, कहानियाँ व कविताएँ कहाँ लिखते? सच है, आजकल कंप्यूटर का अधिक प्रयोग हो रहा है पर आज भी हमारे देश, स्कूल तथा कॉलेज में कागज़ का महत्त्व कम नहीं हुआ है।

अध्याय-11

धरती के भीतर बसा नगर

(केवल पठन हेतु)

अध्याय-12

मीरा पदावली

अभ्यास: (पेज 65)

1. (क) प्रस्तुत पाठ में मीरा द्वारा लिखे पद प्रस्तुत किए गए हैं।
   (ख) मीरा के इज़्टदेव भगवान श्री कृज़्ण हैं।
   (ग) साँवरी सूरत भगवान श्री कृज़्ण की है।

लिखित–

2. (क) मीरा के प्रभु साँवली सूरत वाले हैं। उनकी आँखें बड़ी व सीने पर वैजयंती माला है।
   (ख) मीरा के पास विज़ का प्याला उनके पति (महारणा भोजराज) ने भेजा था।
   (ग) मीरा ने राम रतन (श्री कृज़्ण की भक्ति का रत्न) धन को प्राप्त किया है।
   (घ) मीरा के अनुसार भक्ति धन प्रतिदिन बढ़ता है।
   (ङ) मीरा प्रसन्न होकर केवल भगवान श्री कृज़्ण का गुणगान करती है।
3. (क) नंदलाल ✓ (ख) पग ✓ (ग) रामरतन ✓
   (घ) बावरी ✓
4. (क) जस – यश (ख) नासी – नाशिनी (ग) विज़ – ज़हर
   (घ) अरुन – लाल (ङ) किरपा – कृपा

भाज़ा-बोध–

1. (क) भाल – माल, डाल (ख) दासी – नासी, हाँसी
   (ग) बिसाल – मिसाल, गोपाल (घ) रसाल – बिसाल, गोपाल
   (ङ) आयो – पायो, गायो
2. (क) नेत्र – नैना (ख) विशाल – बिसाल (ग) वत्सल – बछल
   (घ) अमूल्य – अमोलक (ङ) कृपा – किरपा
3. (क) नैनन – मीरा भगवान श्री कृज़्ण को अपने नैनन में बसने को कह रही हैं।
   (ख) तिलक – श्री कृज़्ण के माथे पर लाल रंग का तिलक लगा है।
   (ग) बावरी – मीरा की भक्ति देखकर कुछ लोग उन्हें बावरी कहने लगे हैं।
   (घ) सतगुरु – मीरा ने केवल श्री कृज़्ण को ही अपना सतगुरु माना था।
   (ङ) खेवटिया – भगवान ही खेवटिया बनकर हमें संसार रूपी समुद्र से पार ले जा सकते हैं।
   * विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

कबीरदास दोहे– 1. यह तन विज़ को बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान।।
2. अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप।
अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।।

तुलसीदास दोहे– 1. 'तुलसी' काया खेत है, मनसा भयौ किसान।
पाप-पुन्य दोउ बीज हैं, बुवै सो लुनै निदान।।
2. 'तुलसी' साथी विपति के, विद्या, विनय, विवेक।
साहस, सुकृत, सुसत्य-व्रत, राम-भरोसो एक।।

मीरा के दोहे– 1. मेरे तो गिरधर गोपाल
दूसरों न कोई।
जा के सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।।

2. हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ाओ चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धरहो आप सरीर
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुञ्जर पीर।
दासी मीरा लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

* विद्यार्थी कबीर जी, तुलसी जी और मीरा जी के अन्य दोहे भी याद करके लिख सकते हैं।

अध्याय-13

पहाड़ी देश नेपाल

अभ्यास: (पेज 70)

1. (क) नेपाल एक छोटा-सा पहाड़ी देश है।
(ख) संसार की सबसे ऊँची चोटी 'एवरेस्ट' है।
(ग) तेन सिंह नेपाल के निवासी थे।
(घ) महेंद्रनाथ का मंदिर काठमांडू में स्थित है।

लिखित–

2. (क) नेपाल भारत और चीन के बीच बसा एक छोटा-सा देश है।
(ख) नेपाल के निवासियों का प्रमुख व्यवसाय खेती है।
(ग) काठमांडू नेपाल की राजधानी है तथा यहाँ कई दर्शनीय स्थल हैं।
(घ) पशुपतिनाथ का मंदिर, महेंद्रनाथ का मंदिर, स्वयंभू मंदिर, नेपाली सिंह 'दरबार' और बौद्धस्तूप।
(ङ) शिलाजित का प्रयोग दवाइयाँ बनाने में किया जाता है।

3. (क) उत्तर ✓ (ख) याक ✓ (ग) काठमांडू ✓
(घ) हिंदू धर्म ✓

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓
(घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) सिक्किम (ख) एवरेस्ट (ग) चट्टानों
(घ) ष्ट्रातिप्रिय (ङ) आवश्यक

भाज़ा-बोध–

1. (क) परिश्रमी (ख) मनमोहक (ग) पर्वतारोही
(घ) ऐतिहासिक (ङ) दर्शनीय

2. (क) ग्रह – नक्षत्र (सूर्य, पृथ्वी आदि) (ख) अच्छा – बढ़िया
गृह – घर इच्छा – अभिलाज़ा
(ग) रंक – गरीब (घ) तरंग – लहर
रंग – वर्ण (नीला, पीला आदि) तुरंग – घोड़ा
(ङ) कुल – वंश, योग
कूल – किनारा (नदी, सरोवर आदि का)

3. (क) देव + आलय = देवालय (ख) हरि + ईश = हरीश
(ग) देव + इंद्र = देवेंद्र (घ) अति + अधिक = अत्यधिक
(ङ) सु + आगत = स्वागत

करके सीखिए–

नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था

1. नेपाल की राजनीति बहुदलीय प्रणाली के तहत एक गणतांत्रिक ढाँचे के अनुसार कार्य करती है।
2. पहले नेपाल एक संवैधानिक राजतंत्र था।
3. नेपाल के दो प्रमुख दल नेपाली कांग्रेस एवम् कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल हैं।
4. पहले नेपाल भारत का ही भाग था। परंतु 1904 में अंग्रेज़ों ने पहाड़ी राजाओं से समझौता कर नेपाल को एक आज़ाद देश का दर्जा प्रदान किया।
5. 28 मई 2008 को नेपाल को लोकतांत्रिक देश घोज़ित किया गया था। इस कारण वहाँ अब कोई राजा नहीं है।
6. आज के समय में नेपाल में राज़्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसी महत्त्वपूर्ण पद हैं।
7. आज भी नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। इसका मुख्य कारण सभी दलों का एकमत नहीं होना है।

अध्याय-14

एक बूँद

अभ्यास: (पेज 75)

1. (क) यह कविता व्यक्ति को घर का मोह त्यागकर अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर रहने की प्रेरणा देती है।
   (ख) घर छोड़ते समय बूँद उदास थी।
   (ग) इस कविता के कवि श्री अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हैं।

लिखित–

2. (क) बूँद ने सोचा कि आखिर वह अपने घर से क्यों निकली? क्योंकि उसे अपने भविज़्य के बारे में कुछ नहीं पता।
   (ख) बूँद देव से अपने भाग्य के बारे में जानना चाहती है। क्या वह धूल में मिल जाएगी या बच कर किसी काम में आएगी।
   (ग) हवा बूँद को समुद्र की तरफ़ ले गई।
   (घ) घर छोड़ने पर लोगों को अपने भविज़्य की चिंता सताती है।
   (ङ) घर छोड़कर व्यक्ति कभी-कभी बूँद की तरह अपनी किस्मत बदल देता है।
3. (क) बादलों ✓ (ख) बूँद ✓ (ग) कमल ✓
   (घ) सीप ✓ (घ) मोती ✓
4. (क) समुंदर – समुद्र (ख) कढ़ी – निकली
   (ग) ज्यों – जैसे ही (घ) बदा है – किस्मत में लिखा है
   (ङ) काल – समय

भाज़ा-बोध–

1. (क) बढ़ी – कढ़ी (ख) वह – बह (ग) घर – कर
   (घ) समुंदर – सुंदर (ङ) धूल – फूल

2. (क) हवा बोली, ''मैं तुम्हें समुंदर की ओर ले आऊँगी।''
   (ख) सीप कहने लगा, ''एक बूँद मेरी ओर चली आ रही है।''
   (ग) बादल बोला, ''घर छोड़ते समय तुम क्यों घबरा रही हो?''
   (घ) बूँद बोली, ''वाह! मैं तो मोती बन गई।''

करके सीखिए–

* बच्चे स्वयं वर्ज़ा ऋतु से संबंधित एक अनुच्छेद लिखेंगे। (उदाहरण)

वर्ज़ा ऋतु ग्रीज़्म ऋतु के बाद आने वाली सबसे महत्त्वपूर्ण ऋतु है। यह ऋतु जुलाई से लेकर सितंबर तक रहती है। इस समय आकाश काली घटाओं से घिरा रहता है। नदी, नाले और तालाब सब पानी से भर जाते हैं। इसके प्रभाव से

सूखे पौधे व प्रकृति लहलहा उठती है। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू मन को प्रसन्न कर देती है। मोर व अन्य पक्षी बारिश का पूर्ण मजा लेते हैं। हमारी प्यासी धरती की भी प्यास मिटती है तथा मनुज्य भी वर्ज़ा के पानी को इकट्ठा कर बिजली उत्पन्न करता है तथा अन्य ऋतुओं के समय यह संचित पानी सिंचाई के काम भी आता है। अत: तभी यह ऋतु ऋतुओं की रानी कहलाती है।

अध्याय-15

हेलन केलर

अभ्यास: (पेज 81)

1. (क) हेलन केलर एक ऐसी महिला थी जो सुन और देख नहीं सकती थी। फिर भी उन्होंने पढ़ना, लिखना और बोलना सीखा व ब्रेल लिपि में अनेक पुस्तकों की रचना की।
   (ख) हेलन का जन्म 27 जून, 1880 ई. को हुआ था।
   (ग) हेलन का जन्म अमेरिका के एलाबामा प्रदेश से टसकंबिया कस्बे में हुआ था।
   (घ) हेलन जब उन्नीस साल माह की थी तब उन्हें तेज़ बुखार हुआ, जिस वजह से वह अपंग हो गई।

लिखित–

2. (क) जब हेलन 19 माह की थी तब उन्हें तेज़ बुखार हुआ, जिस कारण वे अपंग हो गई।
   (ख) हेलन को एक कुशल अध्यापिका एनी सुलिवान ने ठीक किया था। वे हमेशा हेलन का उत्साहवर्धन करती थीं।
   (ग) एनी के प्रयासों के कारण हेलन नम्र व हँसमुख हो गई और उसमें काम करने की लगन पैदा होती गई।
   (घ) 'मेरा धर्म' और 'मेरी जीवन कहानी' हेलन की विश्वप्रसिद्ध रचनाएँ हैं।
   (ङ) इस पाठ के अनुसार ष्टारीरिक अपंगता उन्नति के विकास में बाधक नहीं है इसलिए हमेशा प्रयास करते रहें।

3. (क) 1880 ई. में ✓ (ख) 19 माह ✓ (ग) ये दोनों ✓
   (घ) 88 वर्ज़ ✓ (घ) 1968 ✓

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) परिवर्तन (ख) अवस्था (ग) विश्वप्रसिद्ध
   (घ) रचनाएँ (ङ) प्रतीक्षा (च) अपंगता
   (छ) दृज़्टि (ज)आँखों (झ) प्रेरित (ञ) मनुज़्य

भाज़ा-बोध–

1. (क) गुणवान (ख) हँसमुख (ग) अंधा / नेत्रहीन
   (घ) धीर / धैर्यवान (ङ) असंभव

2. (क) निरुत्साह (ख) हल्का (ग) विपन्न
   (घ) निराशा (ङ) अस्वस्थ

3. (क) वह अत्यंत सुंदर और स्वस्थ होगा।
   (ख) ईश्वर एक द्वार बंद करता था, तो दूसरा द्वार खोल देता था।
   (ग) कम उम्र की लड़की हेलन को पढ़ाती थी।
   (घ) माता-पिता हेलन की खूब देखभाल कर रहे हैं।

करके सीखिए–

उदाहरण

सबसे पहले हम उन्हें पूरा सम्मान देगें तथा उन्हें अपने बराबर का मानेंगे। उन्हें हर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे तथा कभी भी उनका मज़ाक नहीं उड़ाएँगे। अगर वे बाहरी खेल नहीं खेल सकते हैं तो कक्षा के अंदर खेले जाने वाले खेल उनके साथ खेलेंगे। अगर वो क्रोध भी करते हैं तब भी उनसे प्यार से बात करेंगे। उनकी ज़रूरत की छोटी-छोटी चीज़ें उन्हें सरलता से पहुँचाएँगे तथा उनके साथ मित्रता का भाव रखेंगे।

* विद्यार्थी अपने भाव स्वयं लिखेंगे।

अध्याय-16

पेट्रोलियम की कहानी

अभ्यास: (पेज 86)

1. (क) पेट्रोलियम के लिए कुएँ की खुदाई विश्व में सबसे पहले म्याँमार में हुई थी।
   (ख) पेट्रोलियम ज़मीन की बहुत गहराई से निकाला जाता है।
   (ग) हमारे देश में असम के डिगबोई नामक स्थान पर तेल के कुएँ हैं, मुंबई में समुद्र से तेल निकाला जाता है और अंकलेश्वर व खंबात में भी तेल मिलता है।

लिखित–

2. (क) अशुद्ध मिट्टी का तेल पेट्रोलियम कहलाता है।
   (ख) इसे ज़मीन की बहुत गहराई से कुएँ खोदकर निकाला जाता है।
   (ग) जब पेट्रोलियम को उबालने वाले बरतन में रखकर गरम किया जाता है, तब इसमें से गैस निकलती है। इसका प्रयोग हम ईंधन के रूप में करते हैं।
   (घ) पेट्रोलियम का शुद्ध रूप पेट्रोल है। इसका प्रयोग वाहनों में तथा ईंधन के रूप में किया जाता है।
   (ङ) डीज़ल रेलगाड़ियाँ व अन्य वाहन चलाने के लिए प्रयोग किया जाता है।
3. (क) पेट्रोलियम ✓ (ख) अशुद्ध ✓ (ग) पेट्रोल ✓
   (घ) आवश्यक ✓
4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✓ (ङ) ✗
5. (क) ईरान, इराक और कुवैत – में तेल के भंडार हैं।
   (ख) वस्तुत: पेट्रोलियम संसार की – अत्यंत उपयोगी वस्तु है।
   (ग) अशुद्ध मिट्टी का तेल ही – पेट्रोलियम कहलाता है।
   (घ) पेट्रोलियम ज़मीन की बहुत – गहराई से निकाला जाता है।
   (ङ) पेट्रोलियम का एक रूप – डीज़ल होता है।

भाज़ा-बोध–

1. (क) शुद्ध – अशुद्ध (ख) आत्मा – परमात्मा
   (ग) जीव – जंतु (घ) जल – थल
2. (क) भीम ने दुर्योधन को गदा से मारा।
   (ख) पार्वती ने शिव को अपना पति बनाया।
   (ग) हम से जो कहा है, उसी को याद करना।
   (घ) लड़कियों के स्वर में गीत नहीं सुनाया।
3. (क) पोज़क (ख) नाशक (ग) धारक

(घ) ग्रहणीय

करके सीखिए–

खनिज तेल (उदाहरण लेख)

हमारी पृथ्वी बहुत रहस्यमयी है। इसके अंदर कई चीज़ें छिपी हैं। 'खनिज तेल' उन्हीं छिपी वस्तुओं में से एक है। खनिज तेल हमारे लिए अत्यंत उपयोगी और आवश्यक है। इनके प्रयोग से हम अपने वाहन चला पाते हैं तथा खाना आदि भी पका पाते हैं। खनिज तेल का जो शुद्ध रूप हम प्रयोग करते हैं, उसे बनने व प्राप्त करने में अनेकों वर्ज लग जाते हैं इसलिए हमें इनका प्रयोग पूर्ण रूप से तथा सावधानीपूर्वक करना चाहिए। हमें खनिज तेल सभी देशों या राज्यों में नहीं मिलते हैं। यह संसार के कुछ देशों में ही पाया जाता है। ईरान, इराक और कुवैत में तो खनिज तेल के भंडार हैं। अत: जितना हो सके इनका प्रयोग सावधानी से करें।

अध्याय-17

जिम कॉर्बेट राज़्ट्रीय उद्यान

अभ्यासः (पेज 93)

1. (क) वन्य पशुओं के संरक्षण के लिए बनाए गए राज़्ट्रीय उद्यानों को अभयारण कहते हैं। यहाँ वन्य पशु प्राकृतिक वातावरण में निर्भय होकर घूमते हैं।

   (ख) जिम कॉर्बेट राज़्ट्रीय उद्यानर उत्तराखंड प्रदेश में स्थित है।

   (ग) कॉर्बेट उद्यान की स्थापना 1935 में अंग्रेजों के ष्ठासनकाल में 'हेली नेशनल पार्क' के नाम से हुई थी। स्वतंत्रता के बाद इसका नाम बदलकर 'रामगंगा नेशनल पार्क' रखा गया।

लिखित–

2. (क) वन्य पशुओं के संरक्षण के लिए सरकार ने विभिन्न राज्यों में राज़्ट्रीय उद्यान बनाए हैं।

   (ख) यहाँ 'प्रोजेक्ट टाइगर' की ष्ठुरुआत हुई थी और आज यहाँ बाघों की संख्या 100 से अधिक है। यह इस पार्क की प्रमुख विशेज़ता है।

   (ग) कॉर्बेट उद्यान की सैर आप हाथियों पर बैठकर, खुली जीप तथा मिनी बस के द्वारा वन्य जीवों को खुले मैदानों में विचरण करते हुए देख सकते हैं।

   (घ) बाघ, तेंदुए, जंगली बिल्ली, हाथी, नील गाय, भालू, साही तथा तरह-तरह के जल-जीव उद्यान में विचरण करते हुए दिखते हैं।

   (ङ) कॉर्बेट उद्यान का वातावरण चिड़ियों की चहचहाहट से गूँजता रहता है। तरह-तरह के वृक्षों, झाड़ियों और पौधें से भरे हुए इस उद्यान में आपको कई वन्य जीव, जल जीव व प्रवासी पक्षी प्राकृतिक वातावरण में निर्भय होकर विचरण करते हुए दिखते हैं।

3. (क) उत्तराखंड में ✓ (ख) 550 ✓ (ग) बाघ ✓

   (घ) 1973 में ✓ (ङ) सौ ✓

4. (क) सैलानियों (ख) मेल-जोल (ग) शिकारी

   (घ) सुंदर (ङ) घूमना

भाज़ा-बोध–

1. (क) पिताजी दफ़्तर कब जा रहे हैं?

   (ख) कल गेहूँ किससे पिसवाकर लाने हैं?

   (ग) मिहिर को सामने आने में ष्ठारम क्यों आ रही थी?

   (घ) कछुआ धीरे-धीरे कहाँ चलता जा रहा था?

   (ङ) रात को खेत में एक सियार कैसे घुस आया?

2. (क) लेखक (ख) शिकारी (ग) मनमोहक

   (घ) अविस्मरणीय (ङ) समकालीन

3. (क) देशी – विदेशी (ख) प्राकृतिक – अप्राकृतिक (ग) पहला – आखिरी

   (घ) सम्मान – अपमान (ङ) मधुर – कड़वा

करके सीखिए–

उदाहरण

लुप्त होने वाली प्रजातियों से संबंधित टी.वी और रेडियो व पुस्तकों द्वारा लोगों में जानकारी फैलाएँ। विद्यालयों में बच्चों को कहानी व नाटकों के द्वारा इसके बारे में बताएँ। इनके लिए विशेज़ पार्क बनाए जाएँ तथा इन्हें मारने पर कड़ी सजा का प्रावधान रखें। जब तक हमारी सरकार इनका संरक्षण करने की नहीं सोचेगी तब तक इनका संरक्षण करना कठिन ही होगा।

* विद्यार्थी अपने विचार अपनी आयु व स्तर के अनुसार स्वयं लिखेंगे।

अध्याय-18

लुई ब्रेल

अभ्यासः (पेज 99)

1. (क) ब्रेल लिपि का आविज़्कार लुई ब्रेल ने किया था।
   (ख) लुई ब्रेल के पिता एक छोटी-सी कार्यशाला चलाते थे, जिसमें वे घोड़ों की लगाम तथा जीन आदि बनाते थे।
   (ग) जब लुई पिता की कार्यशाला में पड़े औज़ार से खेल रहा था तब वह औज़ार उसकी एक आँख में लग गया जिससे उसकी उस आँख में घाव हो गया। परंतु लुई की आँख में संक्रमण फैल गया जो कि दूसरी आँख में भी चला गया जिसके कारण लुई की दृज़्टि चली गई।

लिखित–

2. (क) पादरी ने लुई को अंध विद्यालय में भरती करवाया तथा संगीत, फूलों और पक्षियों से उसकी पहचान कराई।
   (ख) लुई ने 'ब्रेल लिपि' का आविज़्कार किया जिसमें उसने बिंदुओं को उभारकर वर्णमाला के प्रत्येक अक्षर का नमूना तैयार किया। इससे दृज़्टिहीन व्यक्तियों की पढ़ने की समस्या दूर हो गई।
   (ग) जब लुई ने चार्ल्स बार बियर द्वारा रात के अंधेरे में सैनिकों के लिए संदेश पढ़ने की लिपि के बारे में जाना, तब लुई को नई लिपि बनाने की प्रेरणा मिली थी।
   (घ) लुई के अथक प्रयास व आविज़्कार के कारण ही ब्रेल लिपि में कई पुस्तकें लिखी गईं तथा दृज़्टिहीन व्यक्तियों की पढ़ने की समस्या समाप्त हो पाई इसलिए लुई किसी मसीहा से कम नहीं हैं।

3. (क) सैनिकों के लिए ✓ (ख) अच्छी बुनाई और चप्पलें बनाने के लिए ✓
   (ग) तपेदिक ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
   (घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) दृज़्टिहीन (ख) पद्धति (ग) कार्यशाला
   (घ) विशेज़ज्ञों (ङ) औज़ार

भाज़ा-बोध–

1. **विधि**
   - तरीका– क्या आप मुझे ष्टाही पनीर बनाने की विधि बता सकते हैं?
   - ब्रह्मा– विधि का विधान सबको मानना पड़ता है।

   घटना
   - कम होना– अगर अपने ज्ञान का प्रयोग नहीं करोगे तो वह घटना ष्टुरू हो जाएगा।
   - अचानक कुछ होना– हमारे इलाके में भी चोरी की घटना घटी थी।

   वर्ण
   - अक्षर– हिंदी वर्णमाला में 33 वर्ण होते हैं।
   - जाति– हमें हर वर्ण का सम्मान करना चाहिए।
     * विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

2. <u>साधारण</u> परिवार
   <u>विनम्र</u> व्यवहार
   <u>दृज़्टिहीन</u> छात्र
   <u>असाधारण</u> योग्यता
   <u>कठोर</u> परिश्रम
   <u>अबोध</u> बालक

करके सीखिए–

1. (क) थामस अलवा एडीसन – इन्होंने बल्ब का आविज़्कार किया। बचपन में सब इन्हें मंदबुद्धि कहते थे।
   (ख) लुई ब्रेल – इन्होंने दृज़्टिहीन होते हुए भी ब्रेल लिपि का आविज़्कार किया था।

(ग) हेलर केलर – अपंगता के बावजूद इन्होंने ब्रेल लिपि में कई पुस्तकें लिखीं तथा लोगों में सकारात्मक सोच उत्पन्न की।

(घ) स्टीफन हॉकिंग – इनके ष्टारीर के अधिकत्तर अंग कार्य नहीं करते फिर भी इन्होंने ब्लैक होल तथा महाविस्फोट का सिद्धांत देकर विज्ञान को प्रगतिशील बनाया।

(ङ) निक व्युजेसिक – इनका जन्म ही बिना हाथ और पैरों के हुआ था। इन्होंने तैराना सीखा तथा अपने जीवन से संबंधित घटनाएँ सुनाकर लोगों में जैसे वो हैं, वैसे ही खुद को अपनाने की सकारात्मक सोच को फैलाया।

(च) मैडम क्यूरी – इन्होंने अपनी मेहनत व लगन से रेडियम का आविज़्कार किया था।

2. 'लुई ब्रेल' एक असाधारण प्रतिभा के व्यक्ति थे। इनका जन्म फ्रांस में हुआ था। इन्होंने अपनी ष्टारीरिक विकलांगता को कभी रूकावट नहीं माना। इन्होंने 'ब्रेल लिपि' का अविज़्कार कर दृज़्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में रोशनी विकसित की। आज भी लोग इन्हें मसीहा ही मानते हैं क्योंकि इन्हीं के आविज़्कार के कारण नेत्रहीन लोग पढ़ सकते हैं तथा अपनी आजीविका भी कमा सकते हैं। हर साल 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ने 15 वर्ज़ की उम्र में 'ब्रेल लिपि' का आविज़्कार किया था। सन् 2009 में भारत सरकार ने उनके प्रयासों को याद करते हुए उनके सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था। 6 जनवरी, 1852 को इस महान व्यक्ति का देहांत हो गया। आज दृज़्टिहीनों के स्कूल में 'ब्रेल लिपि' में लिखी पुस्तकों का ही प्रयोग किया जाता है।

अध्याय-19

घटा घिरी झूम के

अभ्यासः (पेज 104)

1. (क) काले बादलों के समूह को घटा कहते हैं।
   (ख) घटा पर्वत के शिखरों को चूमकर आई है।
   (ग) घटा पर हवा और बूँदों की भरमार है।
   (घ) घटा नदियों और तालाबों से घूमकर आई है।

लिखित–

2. (क) घटा, पर्वत, गलियों, बाज़ारों, नदियों और तालाबों से घूमकर आई है।
   (ख) बिजली की चमक, हवा और बूँदें घटा के साथी हैं।
   (ग) घटा के आने पर मोर नाच रहे हैं, घोर गरजन हो रही है, पत्तियाँ ताली बजा रही हैं और तेज़ हवा चल रही है।
   (घ) घटा के घिर आने पर चारों ओर खुशहारी छा गई है। पेड़ों की डालियाँ झूम रही हैं, पत्ते खूब हिल रहे हैं तथा ठंडी हवा व बूँदों की भरमार है।
3. (क) तेज़ गति से घनी घटाएँ इधर-उधर लहराती आ रही हैं। ✓
   (ख) बूँदें खुशहालियाँ लाएँगी ✓ (ग) दोनों में ✓ (घ) पत्ते ✓
4. (क) शिखरों – चोटियों (ख) घनघोर – भीज़ण
   (ग) सिहर रहीं – काँप रही (घ) धूमधाम – हलचल (ङ) पर्वत – पहाड़

भाज़ा-बोध–

1. (क) पर्वत – पहाड़, नग, तुंग (ख) तालाब – जलाशय, पोखर, ताल
   (ग) बिजली – दामिनी, चपला, विद्युत (घ) घटा – मेघ, बादल, धन
   (ङ) पेड़ – वृक्ष, तरु, विटप
2. (क) पीपल – व्यक्तिवाचक (ख) खुशहाली – भाववाचक
   (ग) हिमालय – व्यक्तिवाचक (घ) मस्ती – भाववाचक
   (ङ) हवा – जातिवाचक
3. (क) अधिकार – अनाधिकार (ख) प्यार – घृणा / नफ़रत
   (ग) स्वागत – तिरस्कार (घ) ष्टोर – ष्टांति
   (ङ) इधर – उधर

करके सीखिए–

* विद्यार्थी स्वयं बादल से संबंधित कोई एक कविता याद करके कक्षा में सुनाएँगे व उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

1. उदाहरण कविता

बादल

कितना ही अच्छा हो,
यदि मैं बादल बन जाऊँ!
नीले-नीले आसमान में,
इधर-उधर मंडराऊँ।
जब भी देखूँ सूखी धरती,
झट से पिघल मैं जाऊँ।
गरमी से तंग लोगों को,
ठंडक मैं पहुँचाऊँ।
खुशी-खुशी से गड़-गड़ करके,
छम-छम बूँदें लाऊँ।
इसलिए तो कहता हूँ,
काश! मैं बादल बन जाऊँ।

2. (क) सूरज – सभी को रोशनी देना।
   (ख) आसमान – बिन भेद-भाव के सबको छत देना तथा उड़ने का मौका देना।
   (ग) पेड़ – निस्वार्थ होकर सभी को छाया व फल देना।
   (घ) नदी – निस्वार्थ भाव से सभी की प्यास बुझाना और निरंतर बहते रहना।
   (ङ) पर्वत – परेशानियों में निडर होकर खड़े रहना।

अध्याय-20

राज़्ट्रमंडल खेल

अभ्यासः (पेज 110)

1. (क) राज़्ट्रमंडल खेलों की श्ाुरुआत का श्रेय कनाडा के मेलविल मार्क्स रॉबिनसन को जाता है।
   (ख) सबसे पहले राज़्ट्रमंडल खेल कनाडा के हैमिल्टन श्टाहर में आयोजित किए गए थे।
   (ग) राज़्ट्रमंडल खेल पहले 'ब्रिटिश कॉमनवेल्थ गेम्स' नाम से जाने जाते थे।
   (घ) राज़्ट्रमंडल खेलों के सदस्य देश 54 हैं।

लिखित–

2. (क) गुयाना की अलग से कोई टीम इसलिए नहीं थी क्योंकि गुयाना स्वतंत्र देश नहीं था।
   (ख) रॉबिनसन ने ब्रिटिश सत्ता के अधीन सभी देशों के खिलाड़ियों के लिए खेल मेले का आयोजन करने की बात सोची। उन्होंने ऐसा इसलिए सोचा ताकि सभी देशों के खिलाड़ियों को ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेने का मौका मिल पाए।
   (ग) रॉबिनसन के प्रयासों से फिल एडवर्ड्स और सैंकड़ों खिलाड़ियों की छुपी प्रतिभाएँ सामने आई।
   (घ) श्टांतिपूर्ण सहअसित्व का पालन करना, मैत्री व भाईचारा बढ़ाना और लोकतंत्र का पालन करना।

3. (क) मैनेजर ✓ (ख) ब्रिटेन ✓ (ग) 1978 से ✓
   (घ) गुयाना ✓

4. (क) साम्राज्य (ख) दोस्ताना (ग) मान्यताओं
   (घ) आयोजित (ङ) राजनैतिक

भाज़ा बोध–

1. (क) कल्पना + इक = काल्पनिक (ख) नगर + इक = नागरिक
   (ग) परा + अधीन = पराधीन (घ) प्रमाण + इत = प्रमाणित
   (ङ) आयोजन + इत = आयोजित
2. (क) वरुण रोज़ पढ़ता है क्योंकि उसे प्रथम आना है।
   (ख) मेहनत करोगे तो पास हो जाओगे।
   (ग) मैंने उसे समझाया परंतु वह समझ न सका।
   (घ) मेलविल ने खेलों की शुरुआत की और इन खेलों का नाम ब्रिटिश एंपायर गेम्स रखा।
3. (क) देशी – विदेशी (ख) स्वतंत्र – परतंत्र
   (ग) गुलाम – आज़ाद (घ) उचित – अनुचित
   (ङ) सच – झूठ

करके सीखिए–

* विद्यार्थी स्वयं कोई एक विज़य चुनकर उस पर अपने विचार लिखेंगे।

उदाहरण लेख–

(क) रोज़गार के रूप में खेलना एवं पढ़ना

खेल लगभग सभी बच्चों द्वारा पसंद किए जाते हैं। पहले माता-पिता केवल पढ़ाई पर अधिक बल दिया करते थे क्योंकि पढ़े-लिखे व्यक्ति को रोज़गार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। परंतु आज. कल खेलों पर अधिक बल दिया जाता है। इसका प्रमुख कारण है कि खेलों से हमारा शारीरिक व मानसिक विकास तो होता ही है, साथ ही साथ ये हमारी एकाग्रता भी बढ़ाते हैं। आजकल अगर आप कोई खेल अच्छा खेलते हैं तो इसे आप रोज़गार के रूप में भी ले सकते हैं। आप अपनी खेल एकेडमी खोलकर अन्य बच्चों को भविज़्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आप खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर भी आजीविका कमा सकते हैं इसलिए रोज़गार के रूप में हम केवल पढ़ाई पर आश्रित न रहकर खेलों के विकल्प को भी चुन सकते हैं।

* विद्यार्थियों के विचार भिन्न हो सकते हैं।

(ख) सफलता और परिश्रम का संबंध

परिश्रम सफलता की कुंजी है। जब मनुज़्य परिश्रम करना छोड़ देता है तो इसके जीवन की गाड़ी रुक जाती है। अगर हमें सफल होना है तो मेहनत अवश्य करनी पड़ेगी। परिश्रम द्वारा ही मनुज़्य आत्मनिर्भर बनता है तथा उन्नति व आत्मसंतोज़ पाता है। जन्म लेते ही हमारा कर्मक्षेत्र आरंभ हो जाता है। हम मन लगाकर पढ़ते हैं तो ही अच्छे अंक प्राप्त कर पाते हैं। मेहनत से नौकरी तलाश करते हैं तथा मेहनत करने पर ही उन्नति प्राप्त करते हैं। परिश्रम द्वारा ही कई लोगों ने बहुत प्रसिद्धी प्राप्त की है। जैसे– मैडम क्यूरी, हेलन केलर, लुई ब्रेल आदि। दृढ़इच्छा शक्ति, कार्य के प्रति ललक, धैर्य और एकाग्रता परिश्रम के सहायक तत्व हैं। एकलव्य का उदाहरण देखें तो उसने अपनी लगन व परिश्रम के बल पर ही अपने-आप को सफल बनाया था इसलिए परिश्रम और सफलता एक-दूसरे के पूरक हैं। बिना परिश्रम के हम सफल नहीं हो सकते।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com